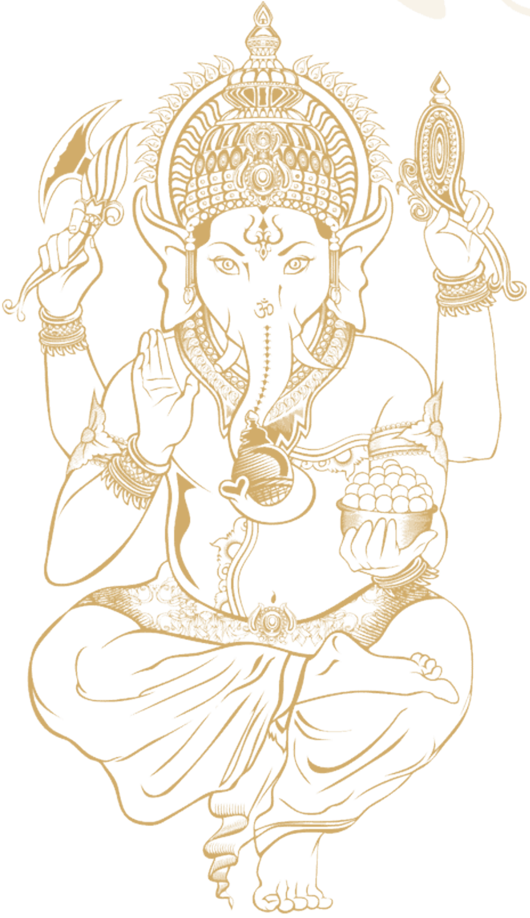

Mr.Aditya kumar kamlapuri

04 Dec 2013

06:12 PM

Dibrugarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121368106

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/12/2013**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**18:12:00 घंटे**
इष्ट	30:56:05 घटी
स्थान	**Dibrugarh**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	27:29:00 उत्तर
रेखांश	94:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:49:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:01:44 घंटे
वेलान्तर	00:09:49 घंटे
साम्पातिक काल	23:55:42 घंटे
सूर्योदय	05:49:34 घंटे
सूर्यास्त	16:15:24 घंटे
दिनमान	10:25:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:28:24 वृश्चिक
लग्न के अंश	16:41:24 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शूल
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:41:24	318:18:51	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	18:28:24	01:00:54	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	09:37:51	15:03:04	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			कन्या	04:13:01	00:31:21	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	05:03:18	01:31:31	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:14:19	00:05:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	29:31:56	00:34:07	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
शनि			तुला	23:28:46	00:06:45	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		तुला	13:16:12	00:05:08	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	13:16:12	00:05:08	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	14:36:34	00:00:40	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप			कुंभ	08:38:54	00:00:43	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो			धनु	16:16:00	00:01:55	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	04:46:27	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:15

लग्न-चलित

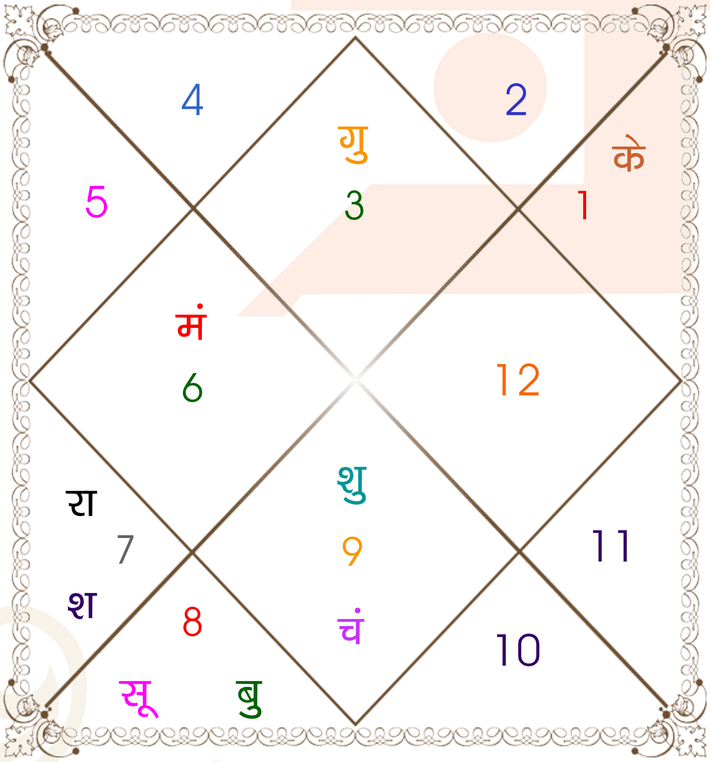

चन्द्र कुंडली

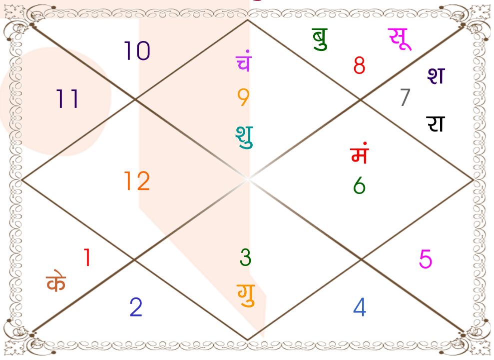

नवमांश कुंडली

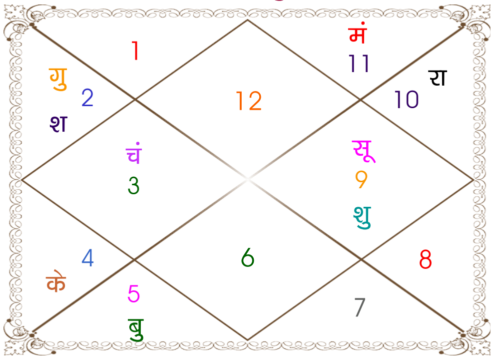

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 11 मास 9 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
04/12/2013	**14/11/2015**	**14/11/2035**	**14/11/2041**	**14/11/2051**
14/11/2015	**14/11/2035**	**14/11/2041**	**14/11/2051**	**14/11/2058**
00/00/0000	शुक्र 16/03/2019	सूर्य 03/03/2036	चंद्र 14/09/2042	मंगल 11/04/2052
00/00/0000	सूर्य 15/03/2020	चंद्र 01/09/2036	मंगल 15/04/2043	राहु 30/04/2053
00/00/0000	चंद्र 14/11/2021	मंगल 07/01/2037	राहु 14/10/2044	गुरु 06/04/2054
00/00/0000	मंगल 14/01/2023	राहु 02/12/2037	गुरु 13/02/2046	शनि 16/05/2055
00/00/0000	राहु 14/01/2026	गुरु 20/09/2038	शनि 14/09/2047	बुध 12/05/2056
00/00/0000	गुरु 14/09/2028	शनि 02/09/2039	बुध 13/02/2049	केतु 08/10/2056
04/12/2013	शनि 14/11/2031	बुध 09/07/2040	केतु 14/09/2049	शुक्र 08/12/2057
शनि 17/11/2014	बुध 14/09/2034	केतु 13/11/2040	शुक्र 16/05/2051	सूर्य 15/04/2058
बुध 14/11/2015	केतु 14/11/2035	शुक्र 14/11/2041	सूर्य 14/11/2051	चंद्र 14/11/2058

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
14/11/2058	**13/11/2076**	**13/11/2092**	**15/11/2111**	**14/11/2128**
13/11/2076	**13/11/2092**	**15/11/2111**	**14/11/2128**	**00/00/0000**
राहु 27/07/2061	गुरु 02/01/2079	शनि 17/11/2095	बुध 13/04/2114	केतु 13/04/2129
गुरु 21/12/2063	शनि 15/07/2081	बुध 27/07/2098	केतु 10/04/2115	शुक्र 13/06/2130
शनि 27/10/2066	बुध 21/10/2083	केतु 05/09/2099	शुक्र 08/02/2118	सूर्य 19/10/2130
बुध 15/05/2069	केतु 26/09/2084	शुक्र 06/11/2102	सूर्य 15/12/2118	चंद्र 20/05/2131
केतु 03/06/2070	शुक्र 28/05/2087	सूर्य 19/10/2103	चंद्र 16/05/2120	मंगल 16/10/2131
शुक्र 02/06/2073	सूर्य 15/03/2088	चंद्र 19/05/2105	मंगल 13/05/2121	राहु 02/11/2132
सूर्य 27/04/2074	चंद्र 15/07/2089	मंगल 28/06/2106	राहु 30/11/2123	गुरु 09/10/2133
चंद्र 27/10/2075	मंगल 21/06/2090	राहु 04/05/2109	गुरु 07/03/2126	शनि 05/12/2133
मंगल 13/11/2076	राहु 13/11/2092	गुरु 15/11/2111	शनि 14/11/2128	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 11 मा 9 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।